

**परदा-नशीन** वि. (फा.) 1. परदे में रहने वाली, अंतःपुर वासिनी बड़ों एवं पर-पुरुषों से परदा करने वाली 2. जो घर में ही रहे, बाहर न निकले।

**परदायत** स्त्री. (फा.) परदा करने वाली स्त्री।

**परदार** स्त्री. (तत्.) 1. लक्ष्मी 2. पृथ्वी 3. पर स्त्री, पराई औरत।

**परदेशी** वि. (तत्.) विदेशी, दूसरे देश का, अन्य देश का।

**परदेस** पुं. (तद्.) दे. परदेश।

**परद्रोही** वि. (तत्.) दूसरे से शत्रुता-भाव रखने वाला।

**परद्वेषी** वि. (तत्.) दे. परद्रोही।

**परधन** पुं. (तत्.) दूसरे की संपत्ति।

**परधर्म** पुं. (तत्.) दूसरे का धर्म।

**परधाम** पुं. (तत्.) 1. वैकुण्ठ धाम, परलोक 2. ईश्वर 3. विष्णु।

**परन** पुं. (तद्.) 1. मृदंग आदि वाद्य-यंत्रों को बजाते समय मुख्य बोलों के बीचों बीच बजाए/जाने वाले बोलों के खंड 2. प्रतिज्ञा, टेक, प्रण, वायदा, दृढ़ संकल्प स्त्री. 1. आदत, बान 2. पर्ण, पत्ता।

**परनाना** पुं. (देश.) नाना का पिता, माँ के पिता का पिता।

**परनानी** स्त्री. (देश.) नानी की या नाना की माँ, माँ की दादी या नानी।

**परनामी** पुं. (तद्.) संत प्राणनाथ के संप्रदाय का व्यक्ति या अनुयायी।

**परनाला** पुं. (तद्.) घर या कार्यालय के गंदे पानी एवं मल के बहने का मार्ग, पनाला, नाबदान।

**परनाली** पुं. (तद्.) 1. छोटा परनाला, मोरी 2. सशक्त घोड़ों की पीठ का वह घुमाव जो उसके पुट्टों और कंधों से नीचा होता है, यही घोड़ों की तेजी का परिचायक भी होता है।

**परनि** स्त्री. (देश.) आदत, टेक।

**परपक्ष** पुं. (तत्.) 1. विरुद्ध पक्ष, विरोधियों का दल 2. विपक्षी की बात, विपरीत पक्ष का कथन।

**परपक्षग्राही** पुं. (तत्.) 1. अपना दल या पक्ष छोड़कर दूसरे दल या पक्ष को ग्रहण कर लेने वाला 2. अपने विश्वास या सिद्धांत छोड़कर दूसरे के विचारों या सिद्धांतों का अनुयायी हो जाना।

**परपट** पुं. (तद्.) 1. समतल भूमि, चौकोर या चौरस मैदान।

**परपटी** पुं. (तद्.) दे. पर्पटी।

**परपद** पुं. (तत्.) शत्रु या पर व्यक्ति का स्थान।

**परपराना** अ.क्रि. (देश.) किसी कड़वी चीज से या मिर्च से जीभ या शरीर के किसी भाग में जलनशीलता उत्पन्न करना, तीखा लगना यथा- मिर्च काटने के बाद हाथ आँख पर लग गया और अब आँख-मुँह परपरा रहे हैं।

**परपराहट** पुं. (देश.) परपराने का भाव, चुनचुनाहट।

**परपीड़क** वि. (तत्.) दूसरों को पीड़ा देने या पीड़ा पहुँचाने वाला, सताने वाला।

**पर पुरुष** पुं. (तत्.) 1. पति के अतिरिक्त कोई अन्य पुरुष 2. परम पुरुष 3. अजनबी, अनजान व्यक्ति।

**परपुष्ट** वि. (तत्.) अन्य द्वारा पोषित, जिसका पोषण किसी अन्य ने किया हो पुं. कोकिल, कोयल।

**परपुष्टा** स्त्री. (तत्.) 1. पराश्रया, वेश्या, बाँदी 2. परगाछा।

**परपूठा** वि. (तद्.) पक्का, प्रौढ़।

**परपूर्वा** पुं. (तत्.) अपने पहले पति को छोड़ दूसरा पति कर लेने वाली स्त्री।

**परपैठ** पुं. (देश.) किसी हुंडी की तीसरी प्रतिलिपि।

**परपोता** पुं. (तद्.) पोते का बेटा, पुत्र के पुत्र का पुत्र।

**परपौत्र** पुं. (तत्.) दे. परपोता।

**परप्रेष्य** पुं. (तत्.) दास, नौकर, सेवक।

**परप्रेष्या** स्त्री. (तत्.) दासी, नौकरानी, सेविका।